प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पूर्व कुलपति डा. गौतम ने वैज्ञानिकों को दिया दिशा-निर्देश

पंतनगर। 20 जुलाई 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय में आज विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र चयन समिति, डा. पी.एल. गौतम, द्वारा डा. रतन सिंह सभागार में विशेष व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति, डा. तेज प्रताप, एवं कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा, मंचासीन थे। डा. गौतम प्रदेश में पंतनगर विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में नये कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना हेतु स्थल का चयन करने के लिए आये हैं।

अपने संबोधन में डा. गौतम ने पंतनगर विश्वविद्यालय के अच्छे प्रदर्शन के कारण भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की इस वर्ष की रैंकिग में विश्वविद्यालय को तीसरा स्थान प्राप्त होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय एक ऐसा संस्थान है जो यहां से जुड़े हुए लोगों को अपनी ओर खींचता है। डा. गौतम ने बताया कि उन्होंने 1974 में पंतनगर विश्वविद्यालय से अपनी सेवा और कार्य का प्रारम्भ किया था, जोकि उनके जीवन का सबसे अच्छा अनुभव रहा, जिसमे थोड़े समय में ही विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर की ख्याति प्राप्त हुई और देश में लोगों ने जाना कि पंतनगर में भी वैज्ञानिक हैं। डा. गौतम ने कहा कि विश्वविद्यालय में अच्छे वैज्ञानिक हैं, और एक वैज्ञानिक एक अच्छा अध्यापक और अच्छा शोधकर्ता भी होता है। उन्होंने विश्वविद्यालय के बारे में बताते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय लैंड ग्रांड पैटर्न पर स्थापित किया गया है और इसका अपना अलग नैतिक नियम भी है, जो अब अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा भी अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां के वैज्ञानिक *थ्री-इन-वन* हैं, क्योंकि वे शिक्षण, नये शोध और उनका प्रचार प्रसार के तीनों कार्य कर शोधों को संबंधित व्यक्तियों तक पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि प्रसार शिक्षा, शिक्षण एवं शोध से ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वैज्ञानिकों को किसानों के बीच में अपना बनाता है। डा. गौतम ने कहा कि शिक्षण कार्य सभी कार्यों में अव्वल है, क्योंकि यह लोगों को ज्ञान, चिंतन और आत्मविश्वास के साथ स्वयं निर्णय लेने की क्षमता को उजागर करता है। डा. गौतम ने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय के स्तर को और आगे ले जाने के लिए सबको एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है, साथ ही सामुहिक रूप से स्वयं का मूल्यांकन करने की भी आवश्यकता है। अपने संबोधन में उन्होंने आगे कहा कि वैज्ञानिकों की छवि उनके द्वारा किये गये कार्यों के कारण है, जिससे वे शोध, शिक्षा एवं प्रसार में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हैं। उन्होंने अंत में कहा कि सभी कार्मिकों को गर्व होना चाहिए की वे इस विश्वविद्यालय का हिस्सा हैं तथा उन्हें वित्तीय प्रबंधन को बनाये रखते हुए अपने दायित्वों और कर्तव्यों का निर्वहन विश्वविद्यालय हित में करते रहना चाहिए।

इससे पूर्व कुलपति डा. तेज प्रताप एवं कुलसचिव डा. ए.पी. शर्मा ने डा. गौतम का पुष्प गुच्छ देकर एवं मफलर पहनाकर स्वागत किया। व्याख्यान के अंत में डा. तेज प्रताप ने डा. गौतम को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष कृषि संचार, डा. ए.के. कश्यप ने किया।

वैज्ञानिकों को संबोधित करते अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र चयन समिति, डा. पी.एल. गौतम।